

INDIA-MALDIVES RELATIONS

Recently India and Maldives held a Bilateral meeting.

Key Highlights of the Bilateral Meeting

- **MoU (Memorandum of Understanding):** The countries signed six MoUs to expand cooperation in a range of areas in Maldives, including:
 - Cybersecurity
 - Capacity Building
 - Housing
 - Disaster Management
 - Infrastructure Development
- **Defence and Security:** Indian government announced to provide a second Landing Assault Craft and a replacement ship for the **CGS Huravee**.
 - It is an indigenously built Trinkat-class patrol vessel that the Navy gave to the Maldives National Defence Force (MNDF).
 - It also announced gifting of 24 utility vehicles from Government of India to Maldives National Defence Force.
- **Infrastructure projects:**
 - India and the Maldives jointly announced the **Greater Malé Connectivity Project (GMCP)** and the construction of **4,000 social housing units**.
 - The GMCP, which is 6.74 km in length and will connect Malé to Villingli, Gulhifahlu, and Thilafhushi.
 - It is the largest infrastructure project ever undertaken in the Maldives and one of India's largest projects in the neighbourhood.
- **Development Projects:**
 - India will extend an additional \$100 million line of credit to the Maldives.
- **Medical and financial assistance:**
 - India was the first partner to gift Covid-19 vaccines to Maldives.

- **Environment and Renewable Energy**

- India lauded the ambitious target set by Maldives to become net zero by 2030 and assured full support.

- **Cooperation in Multilateral Forums**

- The leaders agreed on the need for urgent reforms of the UN bodies, particularly the Security Council.
- Maldives' support for India's candidature for permanent membership of an expanded and reformed UN Security Council.

Maldives Government Stand on “India Out” campaign:

- The Maldives government rejected the “India Out” slogan, and described India as the country’s “closest ally and trusted neighbour”.

India - Maldives Relation:

- Maldives has a special place in India’s ‘neighbourhood first policy’.
- India-Maldives resolved the politically contentious issue over Minicoy Island through the Maritime Boundary Treaty of 1976- recognising Minicoy as part of India.
- **Defence and Security:** In 2016, India-Maldives signed a Comprehensive Action Plan for Defence. Ekuverin is a major joint military exercise between the Indian and Maldives Army.
 - Maldives is also part of SAGAR (Security and Growth for All in the Region). It was announced by India in 2015 as its vision for the Indian Ocean.
- **Development Cooperation:** In 2018, India gave a \$1.4 billion economic package to Maldives for its socio-economic development.

Importance of Maldives for India:

- Maldives is **strategically located in the Indian Ocean**. It comprises 1200 coral islands lying next to shipping lanes which ensure uninterrupted energy supplies to countries like China, Japan and India.
- As the **pre-eminent South Asian power** and a net security provider in the Indian Ocean, India **needs to cooperate with Maldives** in security and defence sectors.
- India and Maldives share **ethinc, linguistic, cultural, religious** and **commercial** links.

भारत-मालदीव संबंध

हाल ही में भारत और मालदीव ने द्विपक्षीय बैठक की।

द्विपक्षीय बैठक की मुख्य विशेषताएं

- **समझौता जापन (समझौता जापन):** मालदीव में सहयोग का विस्तार करने के लिए दोनों देशों ने छह समझौता जापनों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें शामिल हैं:
 - साइबर सुरक्षा
 - क्षमता निर्माण
 - आवास
 - आपदा प्रबंधन
 - बुनियादी ढांचे का विकास
- **रक्षा और सुरक्षा:** भारत सरकार ने सीजीएस हुरवी के लिए दूसरा लैंडिंग असॉल्ट क्राफ्ट और एक प्रतिस्थापन जहाज प्रदान करने की घोषणा की।
 - यह एक स्वदेश निर्मित ट्रिंकट श्रेणी का गश्ती पोत है जिसे नौसेना ने मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) को दिया था।
 - इसने भारत सरकार की ओर से मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल को 24 उपयोगिता वाहन उपहार में देने की भी घोषणा की।
- **मूलढांचा परियोजनाएं:**
 - भारत और मालदीव ने संयुक्त रूप से ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट (जीएमसीपी) और 4,000 सामाजिक आवास इकाइयों के निर्माण की घोषणा की।
 - GMCP, जो 6.74 किमी लंबा है और माले को विलिंगली, गुल्हिफाहलु और थिलाफुशी से जोड़ेगा।
 - यह मालदीव में अब तक की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना है और पड़ोस में भारत की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है।
- **विकास परियोजना:**
 - भारत मालदीव को अतिरिक्त 100 मिलियन डॉलर की ऋण सहायता प्रदान करेगा।
- **चिकित्सा और वित्तीय सहायता:**
 - भारत मालदीव को कोविड -19 टीके उपहार में देने वाला पहला भागीदार था।

- **पर्यावरण और अक्षय ऊर्जा**

- भारत ने मालदीव द्वारा 2030 तक नेट जीरो बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की सराहना की और पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

- **बहुपक्षीय मंचों में सहयोग**

- नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र निकायों, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।
- विस्तारित और संशोधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए मालदीव का समर्थन।

मालदीव सरकार का “इंडिया आउट” अभियान के विरोध में कदम :

- मालदीव सरकार ने “इंडिया आउट” नारे को खारिज कर दिया, और भारत को देश का “निकटतम सहयोगी और विश्वसनीय पड़ोसी” बताया।

भारत-मालदीव संबंध:

- भारत की ‘पड़ोसी प्रथम नीति’ में मालदीव का विशेष स्थान है।
- भारत-मालदीव ने मिनिक्ॉय द्वीप पर राजनीतिक रूप से विवादास्पद मुद्दे को 1976 की समुद्री सीमा संधि के माध्यम से हल किया- मिनिक्ॉय को भारत के हिस्से के रूप में मान्यता दी।
- **रक्षा और सुरक्षा:** 2016 में, भारत-मालदीव ने रक्षा के लिए एक व्यापक कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए। एकुवेरिन, भारतीय और मालदीव सेना के बीच एक प्रमुख संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
 - मालदीव भी SAGAR(सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीज़न) का हिस्सा है। इसकी घोषणा भारत ने 2015 में हिंद महासागर के लिए अपने विजन के रूप में की थी।
- **विकास सहयोग:** 2018 में, भारत ने मालदीव को उसके सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए \$1.4 बिलियन का आर्थिक पैकेज दिया।

भारत के लिए मालदीव का महत्व:

- मालदीव रणनीतिक रूप से हिंद महासागर में स्थित है। इसमें शिपिंग लेन के बगल में स्थित 1200 प्रवाल द्वीप शामिल हैं जो चीन, जापान और भारत जैसे देशों को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं।
- पूर्व-प्रतिष्ठित दक्षिण एशियाई शक्ति और हिंद महासागर में एक शुद्ध सुरक्षा प्रदाता के रूप में, भारत को सुरक्षा और रक्षा क्षेत्रों में मालदीव के साथ सहयोग करने की आवश्यकता है।
- भारत और मालदीव जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक लिंक साझा करते हैं।